पाकिस्तान ने जीता अंडर-19 एशिया कप

समीर मिन्हास की विस्फोटक पारी और अली रजा की घातक गेंदबाजी से पाक ने खिताब किया अपने नाम

दुबई 21 दिसम्बर. दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को एकतरफा मुकाबले में 191 रन से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया।

समीर मिन्हास की तूफानी शतकीय पारी और गेंदबाज अली रजा के घातक प्रदर्शन ने भारतीय टीम को हर विभाग में पीछे छोड़ दिया। 348 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम दबाव में बिखर गई और महज 26.2 ओवर में 156 रन पर सिमट गई। मैच में टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय भारतीय टीम के लिए भारी पड़ गया। पाकिस्तान की शुरुआत भले ही खास नहीं रही और 31 रन के स्कोर पर हम्जा जहूर (18) का विकेट गिर गया, लेकिन इसके बाद समीर मिन्हास और उस्मान खान ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 92 रन की अहम साझेदारी की। उस्मान खान 35 रन बनाकर खिलन पटेल की गेंद पर आउट हुए, लेकिन तब तक पाकिस्तान मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था। तीसरे विकेट के लिए समीर मिन्हास और अहमद हुसैन की साझेदारी ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का शानदार मिश्रण दिखाते हुए 137 रन जोड़े और बड़े स्कोर की नींव रखी। अहमद हुसैन ने 72 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 56 रन की उपयोगी पारी खेली। 38वें ओवर में उन्हें खिलन पटेल ने आउट कर भारत को राहत दिलाई, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। समीर मिन्हास ने फाइनल मुकाबले को पूरी तरह अपनी मुट्ठी में कर लिया। उन्होंने 113 गेंदों में 17 चौके और नौ छक्कों की मदद से 172 रन की विस्फोटक पारी खेली। भारतीय गेंदबाजों के लिए उन्हें रोक पाना नामुमकिन साबित हुआ। 43वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने उन्हें कनिष्क चौहान के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेजा, जिससे उनका दोहरा शतक पूरा नहीं हो सका, लेकिन उनकी पारी मैच का टर्निंग पॉइंट बन चुकी थी।

348 रन के विशाल लक्ष्य के सामने भारतीय बल्लेबाजी 156 रन पर ढेर

अली रजा के चार विकेट, भारतीय टॉप ऑर्डर पूरी तरह फ्लॉप

भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही

348 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान आयुष म्हात्र महज दो रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ऐरन जॉर्ज (16) और वैभव सूर्यवंशी (26) भी जल्दी पवेलियन लौट गए। वैभव ने जरूर 10 गेंदों में तेज रन बनाए, लेकिन उनकी पारी मैच का रुख नहीं बदल सकी। 49 रन तक भारत ने तीन अहम विकेट गंवा दिए थे और टीम पूरी तरह दबाव में आ गई। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने इस दबाव को और बढ़ाते हुए लगातार अंतराल पर विकेट चटकाए। अली रजा ने अपनी सटीक लाइन-लेंथ से भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। भारतीय बल्लेबाज एक-एक कर विकेट गंवाते रहे और कोई भी बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। निचले क्रम में दीपेश देवेंद्रन ने जरूर संघर्ष दिखाया और छह चौके व दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाए, लेकिन उन्हें भी अली रजा ने आउट कर दिया। भारतीय टीम 26.2 ओवर में 156 रन पर सिमट गई। किशन सिंह तीन रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने चार विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सय्याम, हुजैफा एहसान और अब्दुल सुभान को दो-दो सफलता मिली।

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज 3-0 से जीती

तीसरे टेस्ट में कंगारुओं ने इंग्लैंड को 82 रन से हराया

एडिलेड, 21 दिसंबर। मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और नाथन लियोन की घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज सीरीज पर निर्णायक कब्जा जमा लिया।

इंग्लैंड की दूसरी पारी को 352 रनों पर समेटते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की इस प्रतिष्ठित सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। दो टेस्ट अभी बाकी हैं, लेकिन इस जीत के साथ ही मेजबान टीम ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

- **स्टार्क, कमिंस और लियोन ने तीन-तीन विकेट झटके**
- **इंग्लैंड की दूसरी पारी 352 रन पर सिमटी**
- **ऑस्ट्रेलिया ने दो टेस्ट शेष रहते सीरीज जीती**

मेहमान बल्लेबाज ज्यादा देर नहीं टिक सके

पांचवें दिन इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी 206/6 से आगे बढ़ाई, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के सामने मेहमान बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। सुबह के सत्र में इंग्लैंड को उम्मीदें जरूर थीं, क्योंकि जेमी स्मिथ और विल जैक्स क्रीज पर मौजूद थे, लेकिन मिशेल स्टार्क ने जल्द ही उन उम्मीदों को झकझोर दिया। स्टार्क ने स्मिथ (60) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवीं सफलता दिलाई और मैच पर पकड़ और मजबूत कर ली। इसके बाद स्टार्क ने 93वें ओवर में विल जैक्स (47) को भी पवेलियन भेजा। इसके बाद जोफ्रा आर्चर सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हुए और निचला क्रम ज्यादा प्रतिरोध नहीं दिखा सका। दिन का अंतिम सत्र बेहद तनावपूर्ण रहा, जहां इंग्लैंड ड्रॉ की उम्मीद में टिके रहने की कोशिश कर रहा था, जबकि ऑस्ट्रेलिया जीत के लिए लगातार आक्रमण करता रहा। अंतत: 103वें ओवर की पहली गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने जॉश टंग (1) को आउट कर इंग्लैंड की दूसरी पारी 352 रनों पर समाप्त कर दी और ऑस्ट्रेलिया को 82 रनों से जीत दिला दी।

बीसीसीआई ने भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को किया सम्मानित

मुंबई, 21 दिसंबर. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को 19 दिसंबर को मुख्यालय में गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए सम्मानित किया। बीसीसीआई की ओर से रविवार को बताया गया कि भारतीय ब्लाइंड महिला जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट ने उन्हें सम्मानित किया, खिलाड़ियों से बातचीत की और बोर्ड की ओर से हार्दिक बधाई दी। यह दौरा भारत में ब्लाइंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल के लिए बढ़ती पहचान और समर्थन को रेखांकित करता है।

मेलबर्न टेस्ट में नहीं खेलेंगे कंगारू टीम कप्तान कमिंस

एडिलेड, 21 दिसंबर अपनी चोट की परवाह किये बिना एडिलेड टेस्ट में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिए हैं कि बॉक्सिंग-डे टेस्ट और इसके बाद शायद अब वह इस सीरीज का कोई मैच खेलेंगे।

मैच में छह विकेट लेने वाले कमिंस ने बैक इंजरी से उबरते हुए लगभग साढ़े पांच महीने बाद कोई मैच खेला था और उनके लिए लगातार दो टेस्ट खेलना आसान नहीं होने वाला था।

- **चोट की परवाह किए बिना खेले थे एडिलेड टेस्ट**

मैच के बाद कमिंस ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं लेकिन बाकी बची सीरीज के लिए हमें इंतजार करके देखना होगा। हमें पता था कि ऐशेज जीतना है तो हमने काफी आक्रामक तैयारी की थी और हमें लगता है कि यह इसके लायक था। अब जबकि सीरीज जीती जा चुकी है तो ऐसा लग रहा है कि काम हो गया और अब खतरे के बारे में फिर से निरीक्षण की जरूरत है।अगले कुछ दिनों में हम इस पर काम कर लेंगे, लेकिन मुझे संदेह है कि मैं शायद ही मेलबर्न टेस्ट में खेलूं और फिर हम सिडनी के बारे में बात करेंगे। लेकिन निश्चित रूप से सीरीज शुरू होने से पहले, सीरीज के दौरान, हमने सोचा था कि चलो जोखिम उठाते हैं और प्रयास करते हैं, अब जब यह खत्म हो गई है, तो मुझे लगता है कि हमें इस बारे में बात करनी होगी। ये ऐसी सीरीज है जिसके बारे में हम लंबे समय से सोच रहे थे। आज ये आसान नहीं था, लेकिन हम काम पूरा करने में सफल रहे। हमारा चेंजिंग रूम बेहद उत्सुक है।卐 इंग्लैंड पर दबाव बनाए रखने को लेकर कमिंस ने कहा, 卐मुझे लगता है कि यही वह समय होता है जब यह क्रिकेट टीम अपने सर्वश्रेष्ठ पर होती है। ऑस्ट्रेलिया में आप चीजो को अधिक जल्दबाजी में नहीं कर सकते। आप चाहेंगे कि सब कुछ फौरन हो जाए, लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता। यहां अधिकतर समय पुराने ढंग की मेहनत और लगातार जद्दोजहद करनी पड़ती है। आज सभी खिलाड़ियों की मेहनत मुझे बेहद पसंद आई। मैच थोड़ा सा मेरी उम्मीद से अधिक करीब आ गया था, लेकिन मैं बेहद खुश हूं।

लेथम-कॉन्वे के शतक से न्यूजीलैंड हुआ हावी

तीसरे टेस्ट में वेस्ट इंडीज को मिला 462 रन का लक्ष्य, कीवी टीम मजबूत स्थिति में

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड), 21 दिसंबर। कप्तान टॉम लेथम और सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे के शानदार शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी पकड़ बेहद मजबूत कर ली है।

चौथे दिन रविवार को न्यूजीलैंड ने पहले वेस्टइंडीज को उसकी पहली पारी में 420 रनों पर समेटा और फिर दूसरी पारी में दो विकेट पर 306 रन बनाकर पारी घोषित करते हुए मेहमान टीम के सामने 462 रनों का विशाल लक्ष्य रख दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज बिना कोई विकेट गंवाए 43 रन बना सकी, लेकिन जीत के लिए अभी भी उसे 419 रनों की दरकार है।

चौथे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी 381/6 से की, लेकिन न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने सुबह के सत्र में आक्रामक रुख अपनाते हुए जल्दी-जल्दी विकेट निकाल लिए। एंडरसन फिलीप (17) को जेकब डफी ने आउट कर कैरेबियाई टीम को सातवां झटका दिया। इसके बाद डफी ने शाई होप (4) को भी पवेलियन भेजकर वेस्टइंडीज की मुश्किलें बढ़ा दीं। हालांकि केवम हॉज ने एक छोर संभालकर बल्लेबाजी की, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। जेडेन सील्स (15) के आउट होने के बाद, 129वें ओवर की दूसरी गेंद पर माइकल रे ने केमार रोच (0) को आउट कर वेस्टइंडीज की पहली पारी का 420 रनों पर अंत कर दिया। न्यूजीलैंड की ओर से जेकब डफी ने चार विकेट, एजाज पटेल ने तीन, माइकल रे ने दो और डैरिल मिचेल ने एक विकेट हासिल किया।

डेवोन कॉन्वे ने रचा इतिहास

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और फिर शतक बनाकर अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है। इसी के साथ वह यह कारनामा करने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। कॉनवे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ओवल में तीसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे आखिरी दिन चाय से ठीक पहले शतक बनाकर यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। कॉन्वे एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड और टेस्ट इतिहास में केवल 10वें खिलाड़ी बन गए। कॉन्वे ब्रायन लारा, ग्राहम गूच, कुमार संगकारा और हाल ही में मार्नस लाबुशेन और शुभमन गिल जैसे दिग्गजों की एलीट सूची में शामिल हो गए। शानदार फॉर्म में चले रहे कॉन्वे का यह सातवां टेस्ट शतक है।

टाटा स्टील विश्व 25 किमी कोलकाता 2025 दौड़

जोशुआ चेप्टेगेई ने जीती रेस

कोलकाता, 21 दिसंबर युगांडा के दो बार के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगेई ने रविवार को टाटा स्टील वर्ल्ड 25 किलोमीटर कोलकाता 2025 दौड़ में समय 1.11:49 के साथ पुरुषों के एलीट वर्ग में खिताबी जीत दर्ज की।

- **भारतीय धावकों ने बनाए रिकॉर्ड**

इस दौड़ में भारतीय धावक गुलवीर सिंह और सीमा ने क्रमश: भारतीय पुरुष और महिला खिताब जीते, दोनों ने नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में विश्व रिकॉर्डधारी चेप्टेगेई ने 25 किलोमीटर की दूरी 1.11:49 का समय निकालकर विश्व स्तरीय पुरुषों के एलीट वर्ग में शानदार जीत दर्ज की। यह जीत इस साल भारत में चेप्टेगेई की दूसरी जीत है। तीन ओलंपिक पदक, जिसमें दो स्वर्ण पदक शामिल हैं, के साथ कई बार के विश्व चैंपियन युगांडा के महान धावक चेप्टेगेई ने अपनी सहनशक्ति और सामरिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिंबू, और लेसोथो के टेबेलो रामाकोंगोआना से आगे रहे। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में वर्ल्ड 10किमी. बेंगलुरु जीती थी।

> भारतीय पुरुषों की एलीट दौड़ में, गुलवीर सिंह ने शानदार तरीके से अपना खिताब बचाव किया और 1.12:06 के समय के साथ एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। यह प्रदर्शन पिछले साल इसी कोर्स पर बनाए गए उनके अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.14:10 से बेहतर है। भारतीय महिलाओं की एलीट दौड़ में भी एक ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिला। इसमें पहली बार भाग लेने वाली सीमा ने 25 किलोमीटर की दूरी पर एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 1.26:04 का समय निकालकर एल सूरिया के 1.26:53 के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछले साल की चैंपियन संजीवनी जाधव 1.30:34 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निर्मबेन ठाकोर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

एक नजर में

पीसीबी ने दो नई फ्रेंचाइजी के लिए पीएसएल बिड की तिथि आगे बढ़ाई

लाहौर. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के लिए दो नई फ्रेंचाइजी के लिए बिड जमा कराने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दिया है। पीसीबी ने बताया कि बोली लगाने की 22 दिसंबर तिथि को बढ़कर अब 24 दिसंबर कर दिया गया है, क्योंकि इस दौरान दो छुट्टियां थीं और इच्छुक पार्टियों ने अतिरिक्त समय मांगा था। नई टीमों के लिए बिड आठ जनवरी को होनी थी जिसे इस विस्तार के कारण एक दिन के लिए टाल दिया गया है। शुरुआती बिड की तिथि 15 दिसंबर तय की गई थी। पहला विस्तार यूरोप, अमेरिका, मध्य पूर्व और अन्य जगहों के निवेशकों की %बढ़ती रुचि% को देखते हुए किया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 卐यूरोप, अमेरिका, मध्य पूर्व और अन्य जगहों से नई एचबीएल पीएसएल टीमें खरीदने में बढ़ती रुचि को देखते हुए, हमने बिड जमा कराने की तिथि एक सप्ताह बढ़ाकर 22 दिसंबर 2025 कर दी है। सभी को शुभकामनाएं, हमारे नए फ्रेंचाइजी मालिकों का एचबीएल पीएसएल परिवार में स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं।

अफगानिस्तान बोर्ड ने पांच टीमों वाली फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 लीग की घोषणा की

दुबई. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने एक नई फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 लीग, अफगानिस्तान प्रीमियर लीग शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके पहले संस्करण में पांच टीमें होंगी। इसकी शुरुआत अक्टूबर 2026 के आसपास संयुक्त अरबअमीरात (यूएई) होगी। एसीबी ने 2018 की शुरुआत में भी एक अफगानिस्तान प्रीमियर लीग शुरू की थी और उस टूर्नामेंट का मात्र एक सीजन उसी साल बाद में पांच टीमों के बीच खेला गया था। क्रिस गेल, ब्रेंडन मैकुलम, शाहिद अफरीदी और अन्य जैसे बड़े नाम उस सीजन में खेले थे, लेकिन पेमेंट की समस्याओं और लीग की ईमानदारी को लेकर चिंताएं सामने आने के बाद इसे बंद कर दिया गया था। इसी नाम वाली नई लीग का ड्राफ्ट जून-जुलाई 2026 के आसपास होने की संभावना है। एसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 卐पहले सीजन में पांच शहर-आधारित फ्रेंचाइजी होंगी, जो अफगानिस्तान के प्रमुख राष्ट्रीय खिलाड़ियों को जाने-माने विदेशी प्रोफेशनल्स और उभरते स्थानीय प्रतिभा के साथ लाएंगी।卐 एसीबी के चेयरमैन मीरवाइस अशरफ ने शनिवार को दुबई में इसका शुभारंभ करते कहा, 卐अफगानिस्तान प्रीमियर लीग हमारी क्रिकेट यात्रा में एक अहम कदम है। यह हमारे खिलाड़ियों के लिए नए मौके पैदा करती है, अगली पीढ़ी को प्रेरित करती है, और अफगानिस्तान क्रिकेट को वैश्विक मंच पर दिखाने का मौका देती है।

ईशान किशन की वापसी ने बदला चयन का नैरेटिव

सुनील गावस्कर और आर. अश्विन ने बताया घरेलू क्रिकेट का इनाम

नई दिल्ली 21 दिसंबर ,टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में ईशान किशन की वापसी ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि राष्ट्रीय चयन का आधार सिर्फ आईपीएल नहीं, बल्कि घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रदर्शन होना चाहिए. लंबे समय तक टीम इंडिया से बाहर रहने के बाद ईशान की वापसी को पूर्व दिग्गजों ने घरेलू क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता का सीधा इनाम बताया है.

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने ईशान किशन के चयन को पूरी तरह जायज ठहराते हुए कहा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन

चयनकर्ताओं के फैसले को मजबूत बनाता है. गावस्कर के अनुसार, ईशान ने झारखंड को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई और यह दिखाया कि जब खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाता है, तो उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. उन्होंने साफ कहा कि चयन का आधार सिर्फ आईपीएल नहीं होना चाहिए.

> रविचंद्रन अश्विन ने ईशान की वापसी को 'फुल सर्कल मोमेंट' करार दिया. अश्विन के मुताबिक, ईशान का बाहर होना और फिर दोबारा चुना जाना—दोनों की वजह घरेलू क्रिकेट है. उन्होंने कहा कि बुची बाबू टूर्नामेंट से लेकर रणजी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी तक खेलकर ईशान ने यह साबित किया कि वह अब एक ज्यादा परिपक्व और जिम्मेदार क्रिकेटर बन चुके हैं.

अनादि बरुआ बोले — पूर्व इंडिया इलेवन फुटबॉल खिलाड़ी और सीनियर नेशनल महिला फुटबॉल टीम के पूर्व हेड कोच रह चुके हैं बरुआ

मेसी का दौरा शानदार, लेकिन फुटबॉल को कोई ठोस फायदा नहीं

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर भारतीय फुटबाल के जाने माने खिलाड़ी रहे अनादि बरूआ का मानना है कि फुटबाल के अंतरराष्ट्रीय सितारे लियोनेल मेसी के भारत दौरे ने भी? तो बहुत खींची लेकिन इससे देश में फुटबाल को बढ़ावा देने में कोई मदद नहीं मिली।

बरूआ ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि लियोनेल मेसी अब तक के सबसे अच्छे फुटबॉलरों में से एक हैं और हमारे देश में ऐसी मशहूर हस्तियों की मेजबानी करना हमेशा यादगार होता है। हालांकि, लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ उनके इस दौरे से भारत में आम तौर पर खेल और विशेषकर फुटबॉल को बढ़ावा देने में कोई मदद नहीं मिली। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के लोगों

द्वारा आयोजित मेसी का यह दौरा फुटबॉल के लिहाज से तब अधिक सार्थक होता जब वह यहां की राष्ट्रीय टीम या कोई स्थानीय क्लब के खिलाफ मैच खेलते, जैसा कि पेले ने 1977 में मोहन बागान के खिलाफ खेला था। यह तब भी सार्थक हो सकता था जब वह किसी अकादमी का दौरा करते और उभरते हुए फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देते। इसके अलावा अगर वह गरीब बच्चों से मुलाकात कर उनसे बातचीत करते तो इसका कुछ सामाजिक महत्व होता। हालांकि, यह दौरा मार्केटिंग को लेकर था। विदेश के लोग जानते हैं कि भारत एक बहुत बड़ा बाजार है, इसलिए यह दौरा अधिकतर इंटर मियामी का विज्ञापन करने और अगले साल होने वाले विश्व कप के बारे में चर्चा पैदा करने के लिए था।

जिन्होंने फुटबॉल नहीं खेली, फोटो खिंचवाने उत्सुक दिखे

बरूआ ने कहा कि जिन लोगों ने कभी यह खेल नहीं खेला और जिनका इस खेल से असल में कोई लेना-देना नहीं था, वे इस दौरे के दौरान अर्जेंटीना के इस दिग्गज के साथ फोटो खिंचवाने के लिए सबसे अधिक उत्सुक दिखे। मेसी के दौरे के दौरान हमने कुछ अजीब हरकतें देखीं, उनमें से एक थी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह का उन्हें क्रिकेट बैट देना, जिस पर 2024 का आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों के खास साइन और ऑटोग्राफ थे। उन्होंने कहा कि यह भी देखना होगा कि दिग्गज फुटबॉलर का दौरा ऐसे समय में हुआ जब हमारा फुटबॉल अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। एक तरफ हमारी सीनियर पुरुष टीम दुनिया में 142वें नंबर पर है और दूसरी तरफ आईएसएल सीजन को लेकर अनिश्चितताएं हैं।